A NEWS BULLETIN PUBLISHED BY

RETIRED VETERINARIANS

WELFARE ASSOCIATION

Vol.-31 No. 2 **April 2024 to June 2024**

Regd. No. 1038/01-02

सेवानिवृत पशु चिकित्सक कल्याण संघ

बिहार पशु चिकित्सा संघ भवन

विद्यापति मार्ग, पटना-800001

Nutrivet
GIVING SOLUTIONS
An ISO 9001:2015 Certified Company

When Outer Challenges Become More Stronger & Problematic...

1st Time in India

Rx MOFOLOX SPRAY®

Composition : Moxifloxacin - 1% w/v., Bacitracin Zinc- 400 Unit, Fipronil- 0.5% w/v., Hydrocortisone Aceponate- 0.5% w/v., Flunixin Meglumine - 0.5% w/v., Menthol - 0.5% w/v.

Undoubtedly Unmatched

7 In 1

INDICATIONS

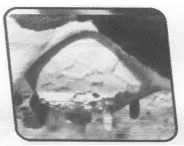
Mestitis

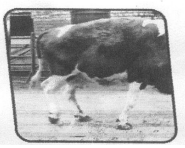
Pain

Inflammation

Lumpy

FMD

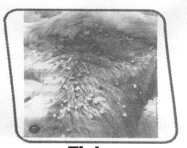
Ticks

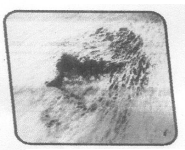
Flystrike

Foot rot

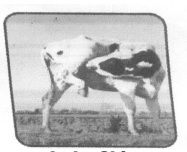
Itchy Skin

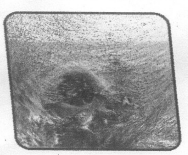
Wound

Deep Longitudinal Wound

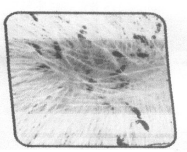
Lice

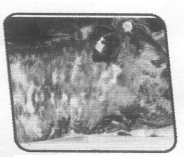
Mites

Eczema

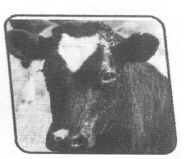
Abscess in Horn

Direction for Use : Clean the affected part and spray Mofolox spray in sufficient quantity twice daily until complete cure is achieved.

Shake well before Use

अनुक्रमणिका

क्र॰	विषय	पेज नं॰
1.	कार्यकारिणी के सदस्यों की सूची	1
2.	अध्यक्ष का संदेश	2
3.	संपादक की कलम से	3
4.	24वीं आमसभा की कार्यवाही	5
5.	कार्यकारिणी का चुनाव	7
6.	दिनांक 03.04.2024 को संपन्न संघ की बैठक	7
7.	अध्यक्ष का संदेश	8
8.	सचिव का प्रतिवेदन	9
9.	कोषाध्यक्ष का प्रतिवेदन	11
10.	24.06.24 को सम्पन्न बैठक की कार्यवाही	12
11.	प्रपत्र	13
12.	सम-सामयिकी	14
15.	शोक संदेश	14
13.	Availability of Animal Protein in Bihar & India	15
14.	Facts to Know	15

Executive member of Retired Veterinarians Welfare Associtation elected on 07-04-24 in General Body meeting of R.V.W.A. Bihar at Seminar Hall of Bihar Veterinary College, Patna

Sl.	Post	Name	Contact Number
1.	President	Dr. Surendra Prasad Sharma	8757024623 9835039278
2.	Secretary	Dr. Om Prakash	8986565603 9386437125
3.	Vice President	Dr. Hari Narayan Pd. Singh	7319843727 9471997388
4.	Vice President	Dr. Gopal Krishnan Goswami	9835232421 9504307838
5.	Vice President	Dr. Hriday Narain Sharma	9162535262 7004107518
6.	Treasurer	Dr. Suresh Prasad	9572326301
7.	Joint Secretary	Dr. Krishna Kant Kumar	9771641190
8.	Joint Secretary	Dr. Dinesh Prasad Sinha	9113771973
9.	Joint Secretary	Dr. Balmiki Sharma	9905425069
10.	Editor	Dr. Jai Narain Singh	8210515274
11.	Auditor	Dr. Shailendra Prasad Singh	9430060120
12.	Members	Dr. Shiv Ranjan Pd. Sinha	9835290414
13.	Members	Dr. Dhruv Deo Tripathi	9955817549
14.	Members	Dr. Diwakar Prasad	9431049920
15.	Members	Dr. Abhimanyu Singh	9431237852

अध्यक्ष का संदेश

प्रिय साथियो !

बड़ी खुशी की बात है कि संघ की कार्यकारणी के सदस्यगण एवं अन्य सदस्यों के सम्मिलित प्रयास से सेवा निवृत पशु चिकित्सक कल्याण संघ की 24वीं वार्षिक आम सभा बिहार पशु चिकित्सा महाविद्यालय, पटना के मुख्य सभागार में दिनांक 07 अप्रैल 2024 को सफलता पूर्वक सम्पन्न हुयी थी।

साथियो!

संघ पशुचिकित्सकों एवं पशुपालकों के काल्याणकारी कार्यों के लिए हमेशा तत्पर है।

बन्धुओ!

वार्षिक आम सभा के निबन्धन के समय सदस्यों से अनुरोध किया गया था कि नाम के साथ पूरा पता एवं मोबाईल नं॰ आदि को दर्ज कर देगें जो कि नहीं हो सका है। इस कारण से बुलेटिन पर फीड बैक देने तथा अद्यतन जानकारी प्राप्त करने हेतु बुलेटिन में एक फार्म लगा हुआ है, जिसे पूर्णरूप से भर कर सचिव के पास भेजने का कष्ट करेंगे।

आशा करता हूँ कि आप सपरिवार सकुशल होगें।

शुभकामनाओं के साथ,

आपका

डा॰ सुरेन्द्र प्रसाद शर्मा

(अध्यक्ष)

सम्पादक की कलम से

समाचार से समाचार बनते हैं। समाचारों के विश्लेषण से विचार पनपते हैं। विचारों की श्रृंखला से लेख बनते हैं। आज का हमारा लेख कुछ इसी प्रकार के समाचारों से उत्पन्न विचारों पर आधारित है जो प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप में पशुपालन के हित में है।

पशुपालन का विकास तथा इस पेशा के प्रति आम जन में आकर्षण पशुपालन से लगाव तथा इस पेशा से प्राप्त होने वाले लाभ पर निर्भर करता है। यह लाभ पशु उत्पादों के बढ़ते आंकड़े तथा उनकी मार्केटिंग पर निर्भर करता है। यह सर्व विदित है कि पशु उत्पादों में काफी वृद्धि हुई है तथा उनका बाजार भी विस्तृत है। अभी भी इसमें संतृप्तता की काफी संभावनाएं हैं जो पशुपालन पेशा को अंगीकार करने से संभव है। लोगों में उत्सुकता काफी है। इसलिए सफलता की उम्मीद भी काफी है। उम्मीदों को अमली जामा पहिनाने के मामले में समाचार पत्रों में छपी हाल की कुछेक खबरें महत्वपूर्ण हैं जिनमें राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति की 88-89 वीं बैठक के प्रतिफल के रूप में साख जमा अनुपात (सी०डी०रेशियो) तथा पशुपालन के लिए बनने वाले किसान क्रेडिट कार्ड का परिणाम पर चर्चा महत्वपूर्ण है।

पशुपालन पेशा को सम्पन्न, लघु अथवा मध्यम स्तर के लोग, अपनाते हैं। साधन सम्पन्न वर्ग तो अपने बूते अपना धंधा प्रारंभ कर लेते हैं परन्तु मध्यम एवं लघु आर्थिक स्थिति वालों के लिए वित्तीय सहायता की आवश्यकता होती है। विचारणीय है कि पशुपालन के दारो-म-दार मुख्य रूप से इन्हीं दो वर्गों पर है। आज जो कुछ भी कर सके हैं उनमें इनकी ही भूमिका ज्यादा है। इन्हें वित्तीय सहायता की आवश्यकता होती है जो बैंको से मिलती है। बैठक की चर्चा में यह मुख्य मुद्दा उठा कि बिहार में सी०डी० रेसियो मात्र 58.71% का है, जबकि राष्ट्रीय स्तर 86.57% है। यही रेसियो आंध्रप्रदेश में 157% तेलंगाना में 126%, तमिलनाडु में 144%, तथा महाराष्ट्र में 101%, है। स्पष्ट है कि बिहार में बैंकों द्वारा प्रदत्त वित्तीय सहायता संतोषजनक नहीं है। पशुपालन के मामले में तो यह और भी गंभीर है। बिहार में आवेदन करने वाले पशुपालकों में से 50% का भी किसान क्रेडिट कार्ड नहीं बन पाया जो पशुपालकों को वित्तीय सहायता प्राप्ति में बाधा है। यहां यह विचारणीय है कि बिहार के विकास में कृषि का योगदान 19.8% का है जिनमें फसल का योगदान 9.9% पशुपालन का 6.6% और मछली का 1.8%। अन्य कारण भी हो सकते हैं जिनमें ऋण प्राप्त लाभुकों द्वारा ऋण की अदायगी में आनाकानी भी अथवा अभिरूचि नहीं दिखाना भी प्रमुखता

से गिनाये जाते हैं। लाभांवितों का सही चयन नहीं हो पाना भी वित्तीय उपलब्धता के कम आंकड़ों का कारण बन सकते हैं। राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति की बैठक में उपस्थित राज्य सरकार के माननीय वित्त तथा ग्रामीण विकास मंत्री द्वारा भी सी॰डी॰ रेसियो पर बैंकों की उदासीन रवैया अपनाने की बात कही गयी तथा जरूरतमंदों को आसानी से ऋण उपलब्ध कराने के निमित्त सिंगल विंडो सिस्टम तथा सरल कार्य प्रणाली जैसी सुविधायें विकसित करने का परामर्श दिया गया।

सर्व विदित है कि पशुपालन पेशा में पशुपालन, पशुचिकित्सा, कृत्रिम गर्भाधान, गौपालन, बकरी पालन, मुर्गी पालन, चारा उत्पादन, उनका संरक्षण पशु खाद्य निर्माण के अनेक आयाम हैं जिन्हें अपनाकर रोजगार उपलब्ध कराया जा सकता है। बिहार की भौगोलिक स्थिति तथा श्रम शक्ति इसके लिए काफी उपयुक्त हैं। आवश्यकता है कि इसका सही प्रचार प्रसार किया जाय, जिनमें न सिर्फ बैंकर्स अथवा अन्य संगठनों की महत्ती भूमिका हो। हम पशुचिकित्सकों को भी सकारात्मक सोंच के साथ आगे आना होगा। राज्य की आवश्यकताओं, संभावनाओं, सरकार की नीतियों तथा योजनाओं के सफल क्रियान्वयन द्वारा इन उद्देश्यों की पूर्ति आसानी से की जा सकती है। इसमें हम सभी के समबेत प्रयास की आवश्यकता है।

जयनारायण सिंह

बिहार पशु चिकित्सक कल्याण संघ पटना की 24वीं वार्षिक आम सभा की कार्यवाही।

दिनांक – 07 अप्रैल 2024

स्थान : बिहार पशु चिकित्सा महाविद्यालय का सभागार।

संघ की वार्षिक आम सभा में डा॰ रामेश्वर सिंह कुलपति बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय पटना तथा डा॰ इन्द्रजीत सिंह माननीय कुलपति गुरू अंगददेव भेटेरिनरी साइंस यूनिर्वसिटी लुधियाना मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। डा॰ वीरेश प्रसाद सिंह भूतपूर्व अध्यक्ष बिहार पशुचिकित्सा संघ तथा डा॰ धर्मेन्द्र सिन्हा भूतपूर्व सेक्रेटरी जेनरल बिहार पशुचिकित्सा संघ, डा॰ जे॰के॰ प्रसाद डीन बी॰भी॰सी॰ पटना डा॰ ए॰ ए॰ खान, भूतपूर्व प्राध्यापक, बी॰भी॰सी॰ पटना, विशिष्ठ अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। बैठक की अध्यक्षता डा॰ एस॰पी॰शर्मा संघ के अध्यक्ष के द्वारा की गयी तथा मंच का संचालन डा॰ दीवाकर प्रसाद द्वारा की गयी। इस आमसभा में राज्य के कोने-कोने से 120 सेवा निवृत्त पशुचिकित्सकों ने भाग लिया। इसके अलावा भेटेरिनरी कॉलेज और पशुपालन के अन्य संभागों से जुड़े पशुचिकित्सकों ने भी बैठक में अपनी भागीदारी निभायी। बैठक में पधारे सेवा निवृत्त पशुचिकित्सक अपने पुराने साथियों से मिलकर काफी प्रसन्न दिखे।

मंचासीन महानुभावों द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ बैठक की शुरूआत की गयी। अध्यक्ष द्वारा स्वयं बैठक में उपस्थित सभी अतिथियों का स्वागत किया गया। डा॰ शर्मा द्वारा मुख्य तथा विशिष्ठ अतिथियों का अंग वस्त्र से सम्मान किया गया। बैठक में उपस्थित बुजुर्ग सदस्यों का विशेष अभिनंदन करते हुए उन्हें आदर्श मार्गदर्शक के रूप में विभूषित किया गया।

सर्वप्रथम संघ के सचिव डा॰ ओम प्रकाश द्वारा संघ का प्रगति प्रतिवेदन पढ़कर सुनाया गया तथा आह्वाहन किया गया कि जो जहां है, वहीं से संघ की मजबूती के लिए कार्य करे तथा सेवानिवृत्त सदस्यों को संघ से जोड़ने का प्रयास करें। उन्होंने यह भी अनुरोध किया कि अधिक से अधिक संख्या में लोगों को आजीवन सदस्यता ग्रहण करने के लिए प्रेरित किया जाय।

डा॰ वीरेश तथा डा॰ धर्मेन्द्र सिन्हा द्वारा यूनिवर्सिटी की स्थापना की पृष्ठभूमि की चर्चा की गयी तथा यूनिवर्सिटी स्थापना में तत्कालीन संघ की भूमिका पर प्रकाश डाला गया। यूनिवर्सिटी की स्थापना में संघ के पदाधिकारी के रूप में डा॰ वीरेश तथा डा॰ धर्मेन्द्र की भूमिका का करतल ध्वनि से स्वागत किया गया।

डा॰ जे॰ के॰ प्रसाद ने अपने संबोधन के क्रम में बताया कि सेवा निवृत्त पशु चिकित्सक संघ के अनुभवी सदस्य कॉलेज के विद्यार्थियों के लिए मोटिवेशनल क्लास लें जिनकी पूरी व्यवस्था उनके द्वारा किये जाने का आश्वासन दिया गया।

डा॰ इन्द्रजीत सिंह कुलपति लुधियाना ने अपने संबोधन के प्रारंभ में कबीरदास जी की पंक्ति ''गुरू गोविंद दोउ खडे, काको लागूं पांव, बलिहारी गुरू आपनो जो गोविंद दिया बताय'' द्वारा सभी सेवा निवृत्त पशुचिकित्सकों का अभिनंदन किया तथा बताया कि पंजाब में 2-2 हाजार क्षमता बाली गायों का फार्म है जो यह बताता है कि पशुपालन अब गरीब तबके तक सीमित नहीं है, बल्कि इसे अब सम्पन्न

तथा समृद्ध वर्ग भी अपनाने लगे हैं। उन्होंने यह भी बाताया कि बिहार के किसान बहुत कर्मठ हैं तथा बिहार में पशुपालन विकास की सारी स्थितियां मौजूद हैं। श्री रामेश्वर सिंह कुलपति बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय द्वारा विश्वविद्यालय के प्रगति ब्यौरा देते हुए बताया गया कि उनका मुख्य उद्देश्य इस विश्वविद्यालय को देश में प्रथम/द्वितीय स्पर पर लाना है। उन्होंने यह भी बताया कि पशुचिकित्सा तथा शोध में प्रगति के लिए आईजीआईएमएस तथा महावीर कैंसर संस्थान पटना के साथ एम ओ यू पर हस्ताक्षर किया गया है। कुलपति महोदय द्वारा आश्वासन दिया गया कि अगले साल तक विश्वविद्यालय का भवन लगभग पूर्णतः बन जाएगा। उसी भवन में सेवा निवृत्त पशुचिकित्सक कल्याण संघ के लिए एक कार्यालय की स्थापना की व्यवस्था की जा सकती है। डा॰ वीर सिंह राठौर द्वारा गुजरात और महाराष्ट्र के तर्ज पर बिहार में भी ऑल बिहार भेटेरिनेरियन सोशल सेकुरिटी ट्रस्ट की स्थापना पर जोर दिया। डा॰ राजेश्वर प्रसाद द्वारा बिहार में क्वेक प्रैक्टीस की बढ़ती पारिपाटी पर नियंत्रण के प्रयास किए जाने की बात बतायी तथा इसके लिए बिहार के पशुचिकित्सकों और कौन्सिल को सक्रीय बनाने पर बल दिया गया।

डा॰ एस॰पी॰ शर्मा संघ के अध्यक्ष द्वारा अपने अध्यक्षीय भाषण में संघ के इतिहास को बताते हुए सभी अध्यक्षें से अनुरोध किया गया कि संघ के अस्तित्व को बनाये रखें तथा पशुचिकित्सकों, पशुपालकों, पशुधन के कल्याण के निमित अपना योगदान देते रहें। उसके साथ ही डा॰ शर्मा द्वारा उपस्थित गणमान्य अतिथियों तथा सदस्यों का धन्यवाद ज्ञापन किया गया तथा उद्घाटन सत्र की समाप्ति की घोषण की गयी।

उद्घाटन सत्र की समाप्ति के बाद लगातार तकनीकी सत्र जारी रखने की घोषणा की गयी। डा॰ सुरेश प्रसाद वित्त सचिव के द्वारा संघ के ऑडिटेड आय-व्यय को प्रस्तुत किया गया जिसे आम सभा द्वारा ध्वनिमत से पारित किया गया। डा॰ जय नारायण सिंह संघ के संपादक द्वारा सदस्यों से बुलेटिन में प्रकाशन योग्य मैटेरियल भेजे जाने का अनुरोध किया गया तथा विभाग, युनिवर्सिटी, तथा सदस्यों के स्तर से पहल किये जाने वाले अनेक प्रस्तावों को आम सभा में प्रस्तुत किया गया। इन प्रस्तावों में फिल्ड के स्तर पर पशुचिकित्सा की वास्तविक समस्याओं का निदान के उपाय, गुणवत्तापूर्ण पशुचिकित्सा अनाधिकृत चिकित्सा प्रचलन पर रोक, पशुरोग अनुसंधान, डीजीज डायग्नोसिस, भेटनरी कौंसिल को बायबूल बनाये जाने, कौंसिल में दो सेवानिवृत पशुचिकित्सकों को अनिवार्यतः नामित किए जाने जैसे प्रस्ताव शामिल थे। दर्शक दीर्घा से सुझाए गये प्रस्ताव जिसमें पशुपालन निदेशक के पद पर पशुचिकित्सक संवर्ग के योग्य पदाधिकारी की बहाली करने को प्रस्ताव में शामिल किया गया। सभी प्रस्तावों को ध्वनिमत से पारित किया गया।

न्यूट्रीभेट्स फर्मास्यूटिकल्स द्वारा अपने उत्पादों के बारे में बताया गया तथा उनके द्वारा सभी उपस्थित सदस्यों के लिए लंच पैकेट उपलब्ध कराया गया।

अंत में अध्यक्ष डा॰ एस॰ पी॰ शर्मा सभी अतिथियों, अभिभावक तुल्य बुजुर्ग सदस्यों, पशुचिकित्सक साथियों, सहयोगीकर्मियों, प्रेस मीडिया के साथियों, फर्मास्युटिकल्स कम्पनियों के साथियों तथा अन्य सभी महानुभावों को धन्यवाद किया गया तथा सभा समाप्ति की घोषणा की गयी।

कार्यकारिणी का चुनाव

आम सभा संचालन के क्रम में ही अध्यक्ष द्वारा वर्तमान कार्यकारिणी को भंग तथा नयी कार्यकारिणी के गठन की घोषणा की गयी। चुनाव प्रक्रिया के लिए डा॰ रविन्द्र प्रसाद सिंह गया तथा डा॰ अभिमन्यू प्रसाद सिंह को सर्वसम्मति से चुनाव पदाधिकारी के रूप में घोषणा की गयी। इन्हें सर्व सम्मति से चुनाव पदाधिकारी के रूप में स्वीकार किया गया। अध्यक्ष के प्रस्ताव पर अध्यक्ष, सचिव तथा कोषाध्यक्ष के पदों पर आम सभा से सहमति प्राप्त कर नामों की घोषणा की गयी। कार्यकारिणी के शेष सदस्यों के नामों की घोषणा भी अध्यक्ष द्वारा की गयी जिनका आमसभा से बारी-बारी सहमति दी गयी। डा॰ सुरेन्द्र प्रसाद शर्मा को अध्यक्ष, डा॰ ओम प्रकाश को सचिव तथा डा॰ सुरेश प्रसाद को कोषाध्यक्ष पद के लिए चुनाव किया गया।

कार्यकारिणी के सदस्यों की पूर्ण सूची बूलेटिन को कभर पृष्ठ पर पूर्व की भांति प्रकाशित करते रहने का निर्णय लिया गया। पूरी सूची बूलेटिन में संलग्न है।

नव निर्वाचित सदस्यों ने बारी बारी से अपना परिचय दिया तथा संघ के उद्देश्यों की पूर्त्ति हेतु पूरी लगन से कार्य करने का संकल्प लिया। अंत में नये अध्यक्ष डा॰एस॰पी॰ शर्मा द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के बाद सभा समाप्ति की घोषणा की गयी।

दिनांक 03/04/2024 को सम्पन्न विहार पशु चिकित्सक कल्याण संघ, पटना के बैठक की कार्यवाही।

दिनांक 7 अप्रैल 2024 को होने वाली आम सभा की तैयारी तथा सफल संचालन के लिए कार्यकारिणी तथा अन्य सक्रिय सदस्यों की एक बैठक हुयी जिसमें निम्नलिखित रूप में जवाबदेही सौंपी गयी।

1. अध्यक्षता : डा॰ सुरेन्द्र प्रसाद शर्मा, अध्यक्ष
2. मंच संचालन : डा॰ दीवाकर प्रसाद
3. निबंधन : डा॰ आनन्द कुमार त्रिवेदी
   डा॰ बाल्मिकी शर्मा
   श्री सुनील शर्मा
4. सदस्यता ग्रहण तथा नवीकरण डा॰ सुरेश प्रसाद, कोषाध्यक्ष
5. आगंतुकों का स्वागत तथा बैठाने की व्यवस्था : डा॰ कृष्णकांत कुमार
6. पशुपालन की बेहतरीपन के लिए प्रस्तावों का प्रस्तुतीकरण - डा॰ जय नारायण सिंह

स्वागतार्थ अध्यक्षीय भाषण

आज दिनांक 7 अप्रैल 2024 को बिहार पशुचिकित्सा महाविद्यालय, पटना (बासु) के सभागार में सेवानिवृत पशुचिकित्सक कल्याण संघ बिहार की 24वीं वार्षिक आम सभा के सुअवसर पर अपने मुख्य अतिथि डा॰ इन्द्रजीत प्रसाद सिंह, माननीय कुलपति पशु चिकित्सा विश्वविद्यालय लुधियाना, डा॰ रामेश्वर सिंह, माननीय कुलपति बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय पटना, विशिष्ठ अतिथि डा॰ जे॰ के॰ प्रसाद, अधिष्ठाता बिहार पशुचिकित्सा महाविद्यालय पटना, मंच पर आसीन गुरूजन एवं सम्मानित सदस्यगण को मैं डा॰ सुरेन्द्र प्रसाद शर्मा, अध्यक्ष सेवानिवृत पशुचिकित्सक कल्याण संघ बिहार हार्दिक अभिनन्दन करता हूँ। राज्य के कोने–कोने एवं राज्य के बाहर से आये हुए संघ के तमाम सदस्य भी अभिनन्दन के पात्र हैं जिन्होंने अधिक उम्र एवं गर्म मौसम के बावजूद भी संघ की वार्षिक सम्मेलन में अपनी उपस्थिति दी। मैं साधुवाद देता हूँ सभी कर्मचारीगण एवं प्रेस–मिडिया के तमाम बंधुओं को जिन्होंने इस सभागार में आकर कार्यवाही को सफल बनाने में अपना योगदान दे रहे हैं।

आज के मुख्य अतिथि, विशिष्ठ अतिथि एवं सम्मानित सदस्यगण, सबों के सामने इस बात को कहने में काफी प्रसन्नता हो रही है कि देश में शायद यह पहला संघ होगा जो कि सेवानिवृत के उपरान्त पशुचिकित्सकों एवं पशुपालकों के कल्याणकारी कार्यों के लिए तत्पर रहता है। यों तो इस संघ की स्थापना वर्ष 2000 में डा॰ एच॰ पी॰ गुप्ता (हजारीबाग) जो कि अब नहीं रहे, की अगुआई में हुई एवं डा॰ के॰ डी॰ प्रसाद नवम्बर 1999 से चार अप्रैल 2015 तक (जीवन काल तक) अध्यक्ष रहे एवं डा॰ आर॰ पी॰ यादव के द्वारा करीब एक वर्ष तक प्रतिनिधित्व किया गया। दिनांक 06.04.2016 (आठ वर्ष) से मेरी अध्यक्षता में संचालित है।

इस संघ के द्वारा सेवानिवृत पशुचिकित्सकों की समस्या, पशु चिकित्सालयों की स्थापना, पशुओं का टीकाकरण या मवेशियों की कोई खास बीमारी या अन्य तरह के सामाजिक कार्यों का मसौदा हो, बिहार सरकार, पशुपालन विभाग के पदाधिकारियों से संपर्क कर निदान करने के लिए सुझाव दिया जाता है। मेरे प्रिय कुलपति डा॰ रामेश्वर सिंह साहब तो इतने अच्छे हैं कि इनसे मिलकर प्रत्येक माह विचार–विमर्श करता हूँ एवं ये भी विश्वविद्यालय के हर तरह के क्रिया कलाप में मुझे सम्मिलित करते रहते हैं, जो स्वागत के खास पात्र हैं।

इस बात को कहने में कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी कि इस संघ के सक्षम सदस्यों द्वारा बिहार के सुदूर स्थानों एवं राज्य के बाहर भी पशुओं की किसी तरह की समस्या के निदान के लिए मुफ्त सुझाव दिया जाता है एवं समय–समय पर मुफ्त पशुचिकित्सा शिविर का आयोजन दूर के गावों में किया जाता है जिससे कि गरीब पुशपालकों को समुचित चिकित्सा एवं आर्थिक लाभ मिल सके।

मैं अपने जीवन काल की एक घटित घटना सुना देना चाहता हूँ। कुछ वर्ष पूर्व मैं विदेश भ्रमण को निकला था तथा अपनी शिक्षा की अधूरी ज्ञान को विकसीत करने के लिए कुछ युरोपियन देशों का विचरन किया। उन देशों के पशुचिकित्सा विश्वविद्यालय, जू एवं डेयरी फार्म आदि देखने का सुनहरा मौका प्राप्त हुआ। इसी संदर्भ में मैं एक बार यूट्रेच यूनिवर्सिटी (नीदरलैंड) जो कि करीब 388 वर्ष पूर्व में स्थापित हुई है, वहाँ पर एक वैज्ञानिक से क्लिनिक में भेंट हुई तथा वे पुशचिकित्सा क्लिनिक में कार्यरत थे। यह कहने पर कि मैं भारत देश से आया हूँ उनसे इतना सम्मान मिला जो वर्णन से परे है। उन्होंने कहा कि मैं लुधियाना पशुचिकित्सा महाविद्यालय में एक माह का प्रशिक्षण लिया हूँ तथा वे काफी प्रभावित थे। उन्होंने मुझे अपरौन, गम बूट तथा कैप आदि (अस्टरलाइज्ड) पहनवाया एवं क्लिनिक के अन्दर घुमाया। वहाँ के छात्र–छात्राओं को मुझसे मिलवाकर ज्ञान साझा करवाया। भारत एवं वहाँ के चिकित्सा के बारे में काफी समय तक हम दोनों के बीच विचार–विमर्श भी किया गया। खासकर सिजेरीयन आपरेशन जो मेरे द्वारा बड़े पशुओं में की जाती थी, जानकारी प्राप्त किया। यह है लुधियाना पशुचिकित्सा महाविद्यालय की कहानी जिसे मैं भूल नहीं सकता। वैसी परिस्थिति में मैं डा॰ सिंह, माननीय कुलपति पशुचिकित्सा विश्वविद्यालय लुधियाना, जो कि उस स्थान का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं और आज इस सभा में सुशोभित हैं, मेरे लिए अहोभाग्य है।

अन्त में मैं उपस्थित तमाम सज्जनों, कर्मचारियों, न्यूट्रिवेट केयर कंपनी के कर्मचारीगण, प्रेस एवं मीडिया के लोगों को संघ की ओर से आभार प्रकट करता हूँ।

जय हिन्द ! जय भारत!

डा॰ एस॰ पी॰ शर्मा

अध्यक्ष

07/04/2024

सचिव का प्रतिवेदन

साथियों!

आज दिनांक सात अप्रैल 2024 को सेवा निवृत पशु चिकित्सक कल्याण संघ बिहार का 24वीं आम सभा हमारी सफलता की कहानी कह रहा है। इस आम सभा के हमारे मुख्य अतिथि दोनों V.C. सर, आज की बैठक में उपस्थित बिहार के सुदुर क्षेत्रों से पधारे हमारे सेवानिवृत सभी पशु चिकित्सकगण, अभिभावक तूल्य हमारे वशिष्ठ अतिथिगण, संघ कार्यकारिणी के सदस्यगण, फर्माशियूटिकल कम्पनी के प्रतिनिधिगण, प्रेस एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के बन्धुओं तथा हमारे सहकर्मी।

आप अवगत हैं कि हमारे संघ का गठन 2 नवम्बर 1999 में डा॰ एच॰ पी॰ गुप्ता, जो कोर्रा (हजारीबाग) के रहने वाले थे, के द्वारा किया गया था। हमारे ऐसे श्रेष्ठ महानुभाव आज हमारे बीच नहीं रहे, हम उनको याद करते हुए, अपनी तथा आपके तरफ से उस ऐतिहासिक पुरूष का श्रद्धा नमन करते हैं। वर्ष 1999 में गठित हमारे इस सेवानिवृत संघ का निबंधन वर्ष 2001-02 में हुआ था। तब से हमारा यह संघ नियमित रूप से कार्यरत है।

साथियों! वर्ष 2021-22 में आपने सर्व सम्मति से संघ की कार्यकारिणी का गठन किया था जिसके सचिव के पद का दायित्व मुझे सौंपा गया था। मैं आपका आभारी हूँ। अपनी कार्यकारिणी के सहयोग तथा आपकी प्रेरणा ने हमें अपने दायित्वों का निर्वहन करने की ताकत दी है। कहां तक सफल हो पाया हूँ, निर्णायक आप हैं। इस क्रम में विगत तीन वर्षों के प्रगति प्रतिवेदन के साथ आपके समक्ष उपस्थित हूँ।

सदस्यों की संख्या : वर्ष 2021-22 में 6, वर्ष 2022-23 में 16 तथा वर्ष 2023-24 में 19 सब मिलाकर 41 नये सदस्यों ने संघ की सदस्यता ग्रहण किया जिनमें आजीवन सदस्यों की संख्या 26 है। बीस मार्च 2024 तक संघ के कुल सदस्यों की संख्या 798 थी जिनमें 211 आजीवन सदस्य हैं। हम चाहते हैं कि अधिक से अधिक संख्या में नये लोग सदस्यता ग्रहण करें क्योंकि यही हमारी शक्ति है। अस्तु, सभी साथियों से अनुरोध है कि आप जहां कहीं भी हैं सेवा निवृत्त पशुचिकित्सकों को संघ से जोड़ने का प्रयास करते रहें। हम भी विभाग तथा जिला स्तर के कार्यालयों से लागातर संपर्क बनाकर नये सेवा निवृत्त हुए तथा निकट भविष्य में सेवा निवृत्त होने वाले पशुचिकित्सकों की सूची उपलब्ध कराने के प्रयास में रहते है। हम भरसक प्रयास करते हैं कि हर वर्ष नवीकरण की समस्या से बचने के लिए ज्यादा से ज्यादा लोग आजीवन सदस्यता ग्रहण करें तथा उन्हें इसके लिए प्रेरित करें।

हमें यह बताते हुए अपार प्रसन्नता हो रही है कि हमारा यह संघ न सिर्फ बिहार बल्कि पूरे देश में अपने तरह का इकलौता संघ है जिससे न सिर्फ बिहार पशुपालन सेवा से सेवा निवृत पशुचिकित्सक संबद्ध हैं बल्कि एन॰डी॰डी॰बी॰, बैंक तथा युनिवर्सिटी जैसे संस्थानों से सेवा निवृत्त पशुचिकित्सक भी संबद्ध है। इतना ही नहीं बिहार राज्य के बाहर दूसरे राज्य के पशु चिकित्सक भी हमारे संघ से सदस्य हैं।

बूलेटिन का प्रकाशन : संघ की स्थापना काल से ही संघ का न्यूज बुलेटिन का प्रकाशन नियमित रूप से किया जाता है जो आज भी जारी है। आज बुलेटिन के प्रकाशन त्रैमासिक होता हे। इस बुलेटिन के द्वारा हम अपने पशुचिकित्सकों तथा उनके परिवार का कुशल क्षेम की जानकारी अपने सदस्यों तक पहुँचाते हैं। इसके द्वारा हम अपने पशुचिकित्सक साथियों के लेखन क्षमता को उकेरने का प्रयास करते हैं - चाहे वे साथी सेवा निवृत हों या कार्यरत। उनके लेख्य सामग्रियों को आप तक पहुँचाकर अपने साथियों को हम पशुपालन के वैज्ञानिक तथा व्यावहारिक जानकारियों से अद्यतन रखने का प्रयास करते हैं। हम सभी सदस्यों से अनुरोध करते हैं कि आप भी अपनी लेख्य सामग्रियों को बुलेटिन में प्रकाशन हेतु संघ को भेजें।

हम स्वीकार करते हैं कि न्यूज बूलेटिन के डिस्ट्रीब्यूशन की हमारी वर्त्तमान व्यवस्था पर्याप्त नहीं है जिसके कारण हमें यह शिकायत हमेशा मिलती रहती है कि कुछ सदस्यों को नियमित रूप से बुलेटिन प्राप्त नहीं होता है। इसके पीछे का कारण हैण्ड डिस्ट्रीब्यूशन की व्यवस्था तथा डाक सेवा की अनियमितता है। हमारा

प्रयास है कि इस मैनुअल व्यवस्था को चालू रखते हुए निकट भविष्य में ई॰ बूलेटिन का प्रचलन किया जाय। इसके लिए संघ का बेवसाईट तैयार कर लिया गया है (rvwa.bihar.com)। जल्द ही इसके प्रारंभ होने की संभावना है। यहाँ पर भी सदस्यों की संख्या में बढ़ोत्तरी तथा संवाद प्रेषण की इलेक्ट्रोनिक व्यवस्था से अपने आप को जोड़ने की जरूरत है। इस प्रकार और भी लेख्य सामग्रियों को शामिल कर बूलेटिन का विस्तारीकण तथा जानकारी मूलक बनाये जाने का लक्ष्य है। कहने का तात्पर्य है कि हम धीरे-धीरे बुलेटिन की ओर से जनरल तक के पथ पर अग्रसर हैं। हमें आपके सहयोग की आवश्यकता है।

उद्देश्य : साथियों! हमारे संघ का उद्देश्य न सिर्फ रिटार्यड पशु चिकित्सकों का कल्याण है बल्कि प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप में हम राज्य के पशुपालकों, पशु प्रेमियों तथा वैसे सभी व्यक्तियों को ध्यान में रखकर काम करते हैं जो किसी न किसी रूप में पशुपालन व्यवस्था से संबंध रखते हैं। आज के इस आम सभा में अपने कुछ वैसे समर्पित बुजुर्ग महानुभावों को विशेष नमन करते हैं जो हमारे मार्गदर्शक तथा आदर्श रहे हैं। आज की इस बैठक में हमने नवनियुक्त पशुचिकित्सकों के लिए मोटिवेशनल कार्यक्रम प्रारंभ करने के लिए, पराभेट्स तथा समकक्ष कर्मियों के लिए चलाये जाने वाले प्रशिक्षण कार्य में भागीदारी, बिहार पशुचिकित्सा परिषद् की कार्यकारिणी में न्यूनतम तीन सेवा निवृत्त पशुचिकित्सकों का अनिवार्यतः मनोनयन, असाध्य तथा किलस्ट क्लिष्ट पशु रोगों के अन्वेषण तथा शोध आदि व्यावहारिक विषयों पर प्रस्ताव गठन किया है जो अंततः बिहार के आर्थिक उन्नयन में सहायक होगा। हमारे ये प्रस्ताव विभाग तथा यूनिवर्सिटी से संबंध रखते हैं जिसपर आपके अनुमोदन के बाद आगे का काम किया जाएगा।

क्रिया कलाप : सामाजिक भागीदारी के रूप में संघ के सदस्यों द्वारा व्यक्तिगत तौर पर रोगग्रस्त पशुओं की चिकित्सा की जाती है। पशुओं के रख-रखाव, गंभीर बीमारियों, बांझपन समस्या, पशु उत्पादों में वृद्धि आदि पर दूरभाष पर भी मुफ्त सलाह दी जाती है। यह काम कैम्प लगाकर भी की जाती है। सदस्यों के व्यक्तिगत समस्या के निराकरण का भी प्रयास किया जाता है। इन कार्यों का सफल सम्पादन के लिए नियमित रूप से कार्यालय (कम से कम महीने में दो दिन) चलाये जाने की आवश्यकता है। मानवबल, कम्प्यूटर, प्रीन्टर आदि उपकरणों के अभाव के कारण हम इस कार्य में सफल नहीं हो पाये हैं। इसकी प्रतिपूर्ति सदस्य संख्या बढ़ाकर ही की जा सकती है।

आभार : हमारा सौभाग्य है कि आज की बैठक में गुरू अंगददेव भेटेरिनरी एंड एनिमल साईंस यूनिवर्सिटी के कुलपति महोदय, डा॰ इन्द्रजीत प्रसाद सिंह उपस्थित है। हम उनका हृदय से अभिनंदन करते हैं। बिहार पशुविज्ञान विश्वविद्यालय के कुलपति डा॰ रामेश्वर सिंह जी का भी हम आभारी हैं जिन्होंने मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने का हमारा आमंत्रण सहज ही स्वीकार किया है। सर, हम आपकी उपस्थिति मात्र से पुलकित हैं। भी॰सी॰ सर, नियमित रूप में आपके द्वारा उपलब्ध कराये जाने वाले संसाधनात्मक सुविधा के लिए आभार प्रकट करते हैं।

मान्यवर, हमें याद है कि कई बार आपने सेवा निवृत्त पशुचिकित्सकों को बुलाकर उनका सम्मान किया है तथा उनके अनुभवों का आह्वान किया है। हमने आज की इस आम सभा में पशुरोग शोध और अनुसंधान तथा पशु विज्ञान के अनेक व्यावहारिक पहलूओं पर आपका ध्यान आकृष्ठ करने के लिए प्रस्ताव का गठन किया है, जिसे विचार करने हेतु आपके समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है।

उपसंहार : आज की इस बैठक में ढेर सारे महानुभावों का आर्शीवचन, सम्भाषण तथा विचार सुनने को हमारे सदस्यगण उत्सुक हैं। समय कम है। इसलिए संघ का भविष्य में विस्तारित स्वरूप तथा आप तमाम महानुभावों का सपरिवार सुंदर और स्वस्थ जीवन की कामना करते हुए, अपनी वाणी को यहीं विराम देना चाहता हूँ।

जय पशुपालन ! जय संघ!!

डा॰ ओम प्रकाश
सचिव
प॰चि॰क॰संघ, बिहार, पटना

सेवा निवृत्त पशु चिकित्सक कल्याण संघ बिहार, पटना का वर्ष 2024-254 का आय-व्यय :

आयरम	राशि (रू० में)
गत वर्ष का शेष	30737.00
वर्ष (01.04.2024 से 04.06.2024 तक)	24100.00
कुल प्राप्त	54837.00
बैंक में जमा वर्ष 24-25 में जमा	8050.00
खाता सं.	
बैंक में जमा पूर्व में	11743.00
बैंक में कुल जमा	19793.00
व्यय का ब्यौरा :	
वर्ष 2024-25 (01.04.24 से 24.06.2024 तक)	11614.00
आय-व्यय का ब्यौरा	
आय	54837.00
व्यय	11614.00
शेष जमा	43223.00
बैंक में जमा	19793.00
कोषाध्यक्ष के पास जमा (नगद)	23430.00
नोट - वर्ष 2023-24 में सावधि जमा	2,50,000.00

कोषाध्यक्ष

बिहार पशु चिकित्सा संघ के कार्यकारिणी सदस्यों की दिनांक 24.06.2024 को सम्पन्न बैठक की कार्यवाही

डा॰ सुरेन्द्र प्रसाद शर्मा की अध्यक्षता में संघ कार्यालय में संघ के कार्यकारिणी की बैठक सम्पन्न हुयी। अध्यक्ष द्वारा उपस्थित सदस्यों का स्वागत के बाद बैठक प्रारंभ की गयी। चर्चोपरांत निम्नलिखित निर्णय लिए गए।

1. गत बैठक की समीक्षा की गयी तथा अनुमोदन किया गया।
2. संघ के सदस्यों की संख्या बढ़ाने हेतु डा॰ गोस्वामी के इस प्रस्ताव को स्वीकार किया गया कि पूरे राज्य का केन्द्रीय, उत्तरी तथा पूर्वी क्षेत्र में बाँटकर सदस्यता अभियान चलाया जाय। यह जवाबदेही सभी उपाध्यक्षों को दी गयी तथा मोडेल के रूप में उत्तरी क्षेत्र की जवाबदेही डा॰ गोस्वामी को दी गयी तथा उनसे अनुरोध किया गया कि अपने प्रगति अनुभवों तथा प्रयासों की जानकारी अगली बैठक में प्रस्तुत करे ताकि उसके प्रतिफल तथा अनुभव का उपयोग अन्य क्षेत्र के लिए किया जाय।
2. डा॰ सुरेश प्रसाद कोषाध्यक्ष द्वारा प्रस्तुत आय-व्यय को सर्वसम्मति से स्वीकार किया गया तथा उसे बुलेटिन में छापने का निर्णय लिया गया।
3. बुलेटिन की उपयोगिता पर पाठकों का फीड बैक प्राप्त करने के लिए पाठको से संघ द्वारा तैयार प्रपत्र को बुलेटिन में संलग्न करने का निर्णय लिया गया तथा पाठकों से उनके विचार प्राप्त करने का निर्णय लिया गया।
4. डा॰ दिनेश प्रसाद सिन्हा द्वारा बदलते परिवेश में ई-बुलेटिन प्रकाशन के प्रस्ताव को स्वीकार किया गया तथा सर्व सम्मत्ति से निर्णय लिया गया कि अभी ई तथा मैनूअल बुलेटिन वितरण को चालू रखा जाय। धीरे-धीरे मैनुअल वितरण की व्यवस्था को समाप्त करने का निर्णय लिया गया।
5. संघ के क्रियाकलाप को संघ के बेवसाइट पर डालने के लिए श्री सुनील शर्मा कम्प्यूटर ऑपरेटर बिहार पशु चिकित्सक परिषद् का निःशुल्क सहयोग प्राप्त करने का निर्णय लिया गया।
6. जिला शाखाओं को पुर्नगठित तथा क्रिया शील बनाने का निर्णय लिया गया। डा॰ ओम प्रकाश द्वारा बताया गया कि उनके द्वारा सभी क्षेत्रों के सदस्यों से दूरभाष पर संपर्क कर इस मामले में प्रयास किया गया है उनसे इस प्रयास की पशंसा की गयी।
7. श्री नंदी गौ सेवाश्रम (दंडीबाग गया) की संचालिका की एक बहन द्वारा दूरभाष पर बताया गया कि उनके यहाँ एक गाय एवं बाछा गंभीर रूप से बीमार है जिनकी चिकित्सा के लिए संघ के अनुभवी चिकित्सक के सहयोग की आवश्यकता है। मोबाईल नं. 8879118929 पर स्वयं अध्यक्ष महोदय ने उनसे बात किया तथा उन्हें इस पुण्य कार्य में सहयोग का आश्वासन दिया।
8. अंत में आज के प्रचंड गर्मी तथा प्रतिकुल मौसम में भी सदस्यों की उपस्थिति पर सदस्यों को अध्यक्ष द्वारा धन्यवाद ज्ञापन करते हुए बैठक को समाप्त किया गया।

संघ से प्रकाशित बुलेटिन पर फीड बैक प्राप्त करने का प्रपत्र

पाठक का नाम :

वर्तमान पता :

संघ का निबंधन संख्या :

सम्पर्क नं. :

बुलेटिन प्राप्ति पर मंतव्य तथा वितरण प्रणाली पर परामर्श

बुलेटिन में प्रकाशित विषयों पर मंतव्य तथा परामर्श

ई॰ बुलेटिन वितरण प्रक्रिया प्रारंभ करने पर मंतव्य हां / नहीं।

सम सामयिकी

- महेशखूंट (खगड़िया) शहर में मक्का आधारित पशु खाद्य कारखाना का अब तक निर्माण नहीं होने, पशु आहार की मंहगी होती कीमत का मुद्दा लोक सभा चुनाव 2024 के प्रचार में आम जनता द्वारा उठाया गया जिसे पूरी करने का आश्वासन लोक सभा के प्रत्याशियों द्वारा दिया गया।
- उत्तराखण्ड के हलाद्वानी के वार्ड सं. 03 के संजय नगर रूद्रपुर निवासी गोविंद सरकार के पुत्र विक्की को कुत्ते ने काट खाया। अभिभावकों की लापरवाही से विक्की को सिर्फ टेटनस की सूई दिलाकर इत्मिनान हो जाया गया। दस दिन बाद ही विक्की में रेबिज के लक्षण स्पष्ट होने लगे। अजीबोगरीब लक्षण के साथ विक्की ने अपने पिता और दो भीई को भी काट लिया। तब स्वजन रेबिज के जूनोटिक महत्व को समझे और अपना उपचार कराये। विक्की की मृत्यु हो गयी। ''लापरवाही जानलेवा सिद्ध हुयी'' शीर्षक से समाचार पत्रों में इस खबर को छापा गया।
- बिहार पशुचिकित्सा महाविद्यालय पटना के स्थापना के 97वें वर्ष पूरे होने पर 97वां स्थापना दिवस धूम-धाम से मनाया गया।
- नैनो मोल्यूकुल वाली टेकनिक पर आधारित एनिमिया की नस द्वारा दी जाने वाली स्वदेश निर्मित दवा का निर्माण दिल्ली स्थित एम्स के वैज्ञानिकों द्वारा की गयी है। यह गर्भवती महिलाओं के लिए काफी लाभकारी सिद्ध होगा।
- आई॰आई॰टी॰ मुम्बई ने चिकित्सा विज्ञान की एक अभूतपूर्व उपलब्धि प्राप्त की है। कैंसर की चिकित्सा के लिए सी ए आर टी सेल थेरापी तैयार की गयी है जो कैंसर से लड़ने के लिए भारत की पहली जीन थेरैपी है।
- वैज्ञानिकों, कर्मचारियों और छात्रों के ज्ञान में बढ़ोत्तरी हेतु बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय तथा महावीर कैंसर संस्थान पटना के बीच संसाधनों के साझा उपयोग पर समझौता किया गया है। यह समझौता मनुष्य और पशु के स्वास्थ्य की कड़ी में सकारात्मक कदम होगा।
- पटना जू के एक शेर के बायें आँख के नीचे स्थित एक मस्सा को सैम्पूल जांच हैदराबाद के भेटनरी लैब में कराया गया। जांच में कैंसर का टीशु निकला। मुबई, हैदराबाद, तथा पटना के सात भेट डॉक्टर द्वारा इस मस्से का सफल ऑपरेशन किया गया। पटना जू के पच्चास वर्षो के इतिहास में शेर का यह पहला सफल सर्जरी है।
- विश्व के कुल स्तनधारी पशुओं में 95% पालतु पशु हैं। मांस के लिए विश्व में प्रतिदिन 20 करोड़ के लगभग पशुओं का बध होता है।

संकलनकर्ता :

डा॰ ओम प्रकाश

नोट :- सूचनायें समाचार पत्रों तथा सोसल मीडिया पर प्रचारित जानकारी पर आधारित है।

शोक संदेश

डा॰ एम॰ एन॰ देव, डा॰ देव प्रसन्न सिंह एवं डा॰ अजीत कुमार सिंह (झारखण्ड)

के आसमयिक निधन पर गहरा शोक प्रकट किया गया। उनके तथा उनकी आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा गया। शोक संतप्त परिवार के लिए संवेदना प्रकट की गयी।

Availability of Animal Protein in Bihar and India

Products	ICMR Recommendation	Bihar	India
Milk	300 ml / adult / day 500ml / Children / day	274	459
Meal	10.8 Kg / person / year 30g / person / day	3.17	7.10 about 15g/person / day
Protein	0.8-1gm / kg / day	At every meal 1/4th of the plate should be filled with protien	
Fat	20gm / day	Consuming 32.6 gm	

Per Capita availability of Milk (gram / day)

	2016-17	2022-23
Bihar	209	274
India	351	459

Per Capita availability of Egg (Number/Annum)

	2016-17	2022-23
Bihar	10	26
India	68	101

Per Capita availability of Meat (Kg / Annum)

	2016-17	2022-23
Bihar	2.86	3.17
India	5.72	7.10

State wise Milk Production (Fig. "000tonnes)

	2016-17	2022-23
Bihar	87711.07	12502.70
India	165404.38	230577.03

State wise Egg Production (Fig. in Lakhs)

	2016-17	2022-23
Bihar	1116.68	32743.47
India	881369.56	1383762.78

State wise Meat Production (Fig. "000tonnes)

	2016-17	2022-23
Bihar	326.26	396.29
India	7386.61	9768.64

Facts to Know

- India Ranks 1st in the world in terms of total milk production (Source : FAO)
- India Ranks 3rd in the world in terms of total Egg production (Source : FAO)
- India Ranks 8th in the world in terms of total Meat production (Source : FAO)
- 61% (868/1415) of human pathogens are shared by animals (Zoonoses)
- 73% (130/177) of emerging infectious diseases are zoonotic in origin (Woolhouse et al., 2005)
- The livestoc sector contributes 4.11% to the GDP and 26% to the agricultural GDP of the country.
- Veterinarians play a crucial role in sustainable development and economy in India. They contribute to Food Safety and Security, Animal Health and Protection and Conservation.

Hylite

गर्भवती पशुओं के लिए सम्पूर्ण ऊर्जा वर्धक पौष्टिक आहार!

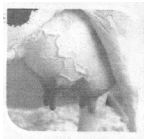

थनों के विकास में सहायक

समस्या रहित प्रसव

मिल्क फिवर की रोकथाम में सहायक

प्रसव के बाद समय पर जेर गिराने में सहायक

दूध उत्पादन में सहायक

स्वस्थ पशु तन्दुरुस्त बछड़ा

Feeding Schedule:
During Pregnancy 50ml. in morning & 50ml. in evening Daily For 20 days regularly during last month of pregnancy.

उपलब्धता : 1 Ltr. & 50 gm. x 20 Sachet.

Feeding Advice :
During Pregnancy : Feed one 50gm. sachet of Hylite in the morning and one sachet in the evening for 20 days during last month of pregnancy.

Parasites Are Small

टिकनो

But Losses Are Big

हानिकारक परजीवी को अपने पशु का खून चूसने से रोके !!

Composition :
Premethrin 5%, Cetrimide 1%, Aloevera 1%

Presentation : 75g

टिकनो साबुन से नहलाये!
किलनी, चमोकन, अठईल, जूँ को भगाये।

Composition :
Amitraz Dip Concentrate 12.5% & Deltamethrin 1.15% Solution

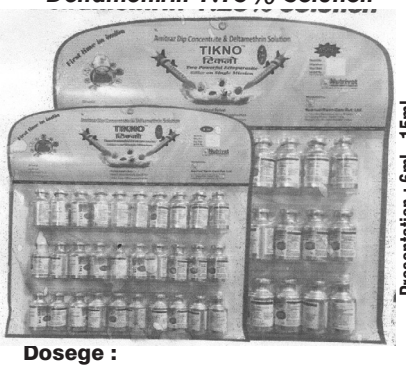

Presentation : 6ml., 15ml.

Dosege :
1-2 ml. with 1 Ltr. water and wash the animal with solution

संस्थापक

डा॰ एच॰ पी॰ गुप्ता

कोर्रा, हजारीबाग 825 101

BOOK PACKET CONTAINING PERIODICALS

To,

Dr .....

.....

.....

If notg delivered please return to :

Office Secretary
R.V.W.A Office
1st Floor, South Western Part
Bihar Vety. Association Building
Vidyapati Marg, Patna-1

News Bulletin
Retired Veterinarians
Welfare Association

Printed By :

AJAY PRINTING PRESS,

Vidyapati Marg, Patna. Mob. : 9334059972